ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' पर हुई अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान : प्रो. अवधेश कुमार

वर्धा, 22 फरवरी 2024 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' पर 'विकसित भारत@2047 युवाओं की आवाज के अंतर्गत' भाषा विद्यापीठ की ओर से कुलपति डॉ. भीमराय मेत्री की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 21 फरवरी को महादेवी वर्मा सभागार में आयोजित की गयी। स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने कहा कि हम मातृभाषा के साथ अन्य भाषायों के प्रति गौरव, आदर और आत्मबोध का भाव रखते हैं। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने भाषाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 'संस्कृति व विरासत को एक पीढी से दूसरी पीढी तक ले जाने के लिए मातृभाषा जरूरी' इस विषय पर मनाया गया। इस अवसर पर साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि भाषाओं का प्रयोग करने से ही भाषाएं प्रवाहित होती रहेंगी और आने वाली पीढी तक पहुँच सकेंगी। तुलनात्मक साहित्य विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना ने अवधी भाषा में वक्तव्य दिया। उन्होंने अवधी भाषा में विपुल साहित्य की चर्चा करते हुए तुलसीदास, जायसी और बंशीधर शुक्लके योगदान पर प्रकाश डाला। भाषाविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एच.ए. हुनगुंद ने कन्नड़ भाषा में वक्तव्य देते हुए कहा कि कन्नड़ द्रविड़ परिवार की और संस्कार, संस्कृति व आचार-विचार की भाषा है। इस अवसर पर अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने भोजपुरी भाषा में, वर्धा समाज कार्य संस्थान के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के. बालराजु ने तेलुगु भाषा में, सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र रिद्धपुर की डॉ. नीता मेश्राम ने मराठी में, डॉ. रवि कुमार ने स्पेनिश भाषा में, डॉ. अनिर्वाण घोष ने चीनी भाषा में, सन्मति जैन ने जापानी भाषा में, डॉ. संदीप कुमार ने फ्रांसीसी भाषा में, डॉ. हिमांशु शेखर ने उर्दू भाषा में, सुश्री मैत्रेयी ने अंग्रेजी भाषा में, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने संस्कृत भाषा में, डॉ. प्रदीप ने हरियाणवी भाषा में, डॉ. रामकृपाल ने अवधी भाषा में, डॉ. अंजनी राय ने मैथिली भाषा में, श्रीलंका के शोधार्थी ब्रज़ील नागॉड वितान ने सिंहली भाषा में एवं धरित्री स्वाई ने उडिया भाषा में वक्तव्य प्रस्तुत कर मातृभाषा की महत्ता पर विचार रखे। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप दीपन एवं कुलगीत से किया गया।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष: +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार ने किया। डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एच.ए. हुनगुंद ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर अध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।